पत्त राखो गौरी के लाल

पत्त राखो गौरी के लाल,
हम तेरी शरण आए ॥
*शरण आए, तेरी शरण आए ॥
पत्त राखो गौरी के लाल,
हम तेरी शरण आए ॥

प्रथमे तुम्हें धिआऊँ, हे संग्राम विजेता ।
पूजा करे तुम्हारी, हे देवन के देवा ॥
*सीस झुकाऊँ, तुझे मनाऊँ ॥
मैं तिलक लगाऊँ भाल,
हम तेरी शरण आए,,,
पत्त राखो गौरी के लाल,,,,,,,,,,,,,

शँकर पिता तुम्हारे, शिव शँकर कैलाशी ।
रिद्धि सिद्धि के स्वामी, लम्बोदर अविनाशी ॥
*मँगल करदो, कण्ठ में भरदो ॥
मेरे सुँदर सुर और ताल,
हम तेरी शरण आए,,,
पत्त राखो गौरी के लाल,,,,,,,,,,,,,

संकट हर लो मेरे, ए दुःख हरने वाले ।
झोली भर दो सबकी, झोली भरने वाले ॥
*जोश तुम्हारे, आया द्वारे ॥
लेकर फूलों की माल,
हम तेरी शरण आए,,,
पत्त राखो गौरी के लाल,,,,,,,,,,,,,

अपलोडर- अनिलरामूर्तिभोपाल

स्वर : नरेन्द्र चंचल

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/23622/title/patt-rakho-gauri-ke-laal

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |